मध्यप्रदेश का सपना "हर किसान-एक बागवान"
व्याख्यान माला "असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम" में श्री प्रसन्न खेमरिया

भोपाल : जून 1, 2019

मध्यप्रदेश का सपना है 'हर किसान-एक बागवान'। चेंज लीडर सृजन के सीईओ श्री प्रसन्न खेमरिया ने यह बात अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एव नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला 'असरदार परिवर्तन टिकाऊ परिणाम' में 'लर्निंग एण्ड चेलेंजेज फ्राम डाउन-सीजिंग हार्टिकल्चर मॉडल्स इन मध्यप्रदेश' पर बोलते हुए कही।

संस्थान के महानिदेशक श्री आर. परशुराम ने कहा कि परिवर्तन की

प्रक्रिया को समझना जरूरी है। उन्होंने कहाकि चेंज लीडर फोकस्ड और विजनरी होते हैं। उनमें लोगों को प्रेरित करने, माइंड सेट बदलने तथा सीमाओं से आगे बढ़कर कार्य करते की क्षमता होती है।

चेंज लीडर श्री खेमरिया ने कम वर्षा वाले क्षेत्रों में छोटे बगीचे के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के बारे में बताया उन्होंने बताया कि 3 साल में आम के पेड़ों में फल लगने लगते हैं। श्री खेमरिया ने कहा कि 40 से 80 तक आम के पेड़ों से लगभग 50 हजार रूपये तक की वार्षिक आय हो सकती है।

बगीचा बुढापे का सहारा

भोपाल, रविवार 02 जून, 2019 | 7

बगीचा बुढ़ापे का सहारा, तीन साल में लगने लगते हैं फल : खेमरिया

विशेष संवाददाता | भोपाल

तीन साल में आम के पेड़ों में फल लगने लगते हैं। 40 से 80 तक आम के पेड़ों से लगभग 50 हजार रुपए तक की वार्षिक आय हो सकती है। इससे किसानों के जीवनस्तर में भी सुधार आ रहा है। यह बात चेंज लीडर प्रसन्न खेमरिया ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एव नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला 'असरदार परिवर्तन टिकाऊ परिणाम' में कही। उन्होंने कहा कि बगीचों को पुरुष किसान आय का स्रोत और महिलाएं बुढ़ापे का सहारा मानती हैं। खेमरिया ने कहा कि उद्यानिकी के विकास के लिए जरूरी है कि एक किसान दूसरे किसान को अपनी सफलता के बारे में बताए। योजना की सफलता के लिए कोलेब्रेशन, कोआर्डिनेशन जरूरी है। इस मौके पर संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने कहा कि परिवर्तन की प्रक्रिया को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चेंज लीडर फोकस्ड और विजनरी होते हैं।

श्री खेमरिया ने बताया कि बगीचों को पुरूष किसान आय का स्त्रोत और महिलाएँ इसे बुढापे का सहारा मानती हैं। उनका कहना है कि उद्यानिकी के विकास के लिए जरूरी है कि एक किसान दूसरे किसान को अपनी सफलता के बारे में बताये। श्री खेमरिया ने कहा कि योजना की सफलता के लिये कोलेब्रेशन, कोआर्डिनेशन और कन्वर्जेंस जरूरी है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में छिन्दवाड़ा, टीकमगढ़ और अनूपपुर के लगभग 122 ग्रामों में किसान फलोत्पादन का कार्य कर रहे हैं। अभी तक 7 हजार से अधिक फलदार पौधे लगाये जा चुके हैं। श्री विवेक शर्मा ने बाड़ी कार्यक्रम के बारे में बताया।

मध्यप्रदेश का सपना, हर किसान–एक बागवान

खेमरिया ने किया व्याख्यान माला को संबोधित

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश का सपना है हर किसान-एक बागवान। चेंज लीडर सृजन के सीईओ प्रसन्न खेमरिया ने यह बात अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एव नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन टिकाऊ परिणाम में लर्निंग एंड चेलेंजेज फ्राम डाउन-सीजिंग हार्टिकल्चर मॉडल्स इन मध्यप्रदेश पर बोलते हुए कही।

संस्थान के महानिदेशक आर. परशुराम ने कहा कि परिवर्तन की प्रक्रिया को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चेंज लीडर फोकस्ड और विजनरी होते हैं। उनमें लोगों को प्रेरित करने, माइंड सेट बदलने तथा सीमाओं से आगे बढ़कर कार्य करते की क्षमता होती है। चेंज लीडर श्री खेमरिया ने कम वर्षा वाले क्षेत्रों में छोटे बगीचे के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि तीन साल में आम के पेड़ों में फल लगने लगते हैं। श्री खेमरिया ने कहा कि 40 से 80 तक आम के पेड़ों से लगभग 50 हजार रुपए तक की वार्षिक आय हो सकती है।

बगीचा बुढ़ापे का सहारा: श्री खेमरिया ने बताया कि बगीचों को पुरुष किसान आय का स्त्रोत और महिलाएं इसे बुढ़ापे का सहारा मानती हैं। उनका कहना है कि उद्यानिकी के विकास के लिए जरूरी है कि एक किसान दूसरे किसान को अपनी सफलता के बारे में बताए। श्री खेमरिया ने कहा कि योजना की सफलता के लिए कोलेब्रेशन, कोआर्डिनेशन और कन्वर्जेंस जरूरी है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा, टीकमगढ़ और अनूपपुर के लगभग 122 ग्रामों में किसान फलोत्पादन का कार्य कर रहे हैं। अभी तक सात हजार से अधिक फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं। विवेक शर्मा ने बाड़ी कार्यक्रम के बारे में बताया। श्री खेमरिया ने श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। संस्थान के सलाहकार गिरीश शर्मा ने व्याख्यान माला का संचालन किया। संस्थान के सलाहकार एमएम उपाध्याय, मंगेश त्यागी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शनिवार को भोपाल में सृजन के सीईओ प्रसन्न खेमरिया ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन, टिकाऊ परिणाम विषयक चर्चा में विचार व्यक्त किए।